Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 05 July 2024

Dainik Jagran
Page - 05

नहीं रहे इतिहासविद् प्रो. शिवाजी सिंह, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : इतिहासविद् और दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास के पूर्व अध्यक्ष प्रो. शिवाजी सिंह का गुरुवार की अहिल्या भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में भारतीय इतिहास संकलन को भारत केंद्रित दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि वे शिवाजी सिंह गोरखनाथ मंदिर के अनन्य भक्त थे। उनके निधन की सूचना मिलते ही पीठ के प्रधान इतिहास विभाग में शोकसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान विभागों ने उनको पूर्व संस्मरणों को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर प्रो. राजवंत राव ने कहा कि प्रो. शिवाजी सिंह पितातुल्य थे। उनका निधन हमारे लिए अपूरणीय क्षति है।

प्रो. शिवाजी सिंह

दीक्षा समारोह के लिए दो दिन गोरखपुर में रहेंगे द्रुतप्रविपति

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह को लेकर 3 जुलाई को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने मंडलायुक्त एवं जिलाधिकारी समेत अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान तय किया गया कि 29 अगस्त को दीक्षा समारोह होगा। इसके लिए 27 जून से आयोजित होने वाली परीक्षाओं के क्रम में गुरुवार को भी तीन पाठ्यक्रम के प्रवेश परीक्षा का आयोजन हुआ।

दो पाली में आयोजित परीक्षाओं में कुल 1169 अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। पहली पाली में एमएससी जंतु विज्ञान और एमएससी एप्लाकल्चर के लिए परीक्षा आयोजन हुआ। यह परीक्षा 864 अभ्यर्थियों ने दी। दूसरी पाली में एमए समाजशास्त्र में प्रवेश के लिए 304 अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे।

1169 ने दी गोवि की प्रवेश परीक्षा

विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि शुक्रवार को सुबह की पाली में बीटेक व एमए भूगोल में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित होगी। बीटेक परीक्षा के लिए 1565 और एमए भूगोल के लिए 247 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। शाम की पाली में एमएससी रसायन विज्ञान व एमएसी औद्योगिक रसायन और एमए हिंदी व बीएचयूएसीटी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन होगा।

यह और अन्य खबरें पढ़ें-
https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_gorakhpur-city-news-hindi.html

नवि की तैयार पर चिंताजा पीएटर से होगी प्रवेश परीक्षा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सिंहली 27 जून से आयोजित हो रही परीक्षाओं के क्रम में गुरुवार को भी तीन पाठ्यक्रम के प्रवेश परीक्षा का आयोजन हुआ।

दो पाली में आयोजित परीक्षाओं में कुल 1169 अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। पहली पाली में एमएससी जंतु विज्ञान और एमएसी एप्लाकल्चर के लिए परीक्षा आयोजन हुआ। यह परीक्षा 864 अभ्यर्थियों ने दी। दूसरी पाली में एमए समाजशास्त्र में प्रवेश के लिए 304 अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे।

देश की गिरत पर चिंताजता व्यक्त की, दी श्रद्धांजलि

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सिंहली 27 जून से आयोजित हो रही परीक्षाओं के क्रम में गुरुवार को भी तीन पाठ्यक्रम के प्रवेश परीक्षा का आयोजन हुआ।

दो पाली में आयोजित परीक्षाओं में कुल 1169 अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। पहली पाली में एमएससी जंतु विज्ञान और एमएसी एप्लाकल्चर के लिए परीक्षा आयोजन हुआ। यह परीक्षा 864 अभ्यर्थियों ने दी। दूसरी पाली में एमए समाजशास्त्र में प्रवेश के लिए 304 अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे।

देश की गिरत और नहीं राजनीति में तेजी होती है : प्रो. पूनम टंडन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सिंहली 27 जून से आयोजित हो रही परीक्षाओं के क्रम में गुरुवार को भी तीन पाठ्यक्रम के प्रवेश परीक्षा का आयोजन हुआ।

दो पाली में आयोजित परीक्षाओं में कुल 1169 अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। पहली पाली में एमएससी जंतु विज्ञान और एमएसी एप्लाकल्चर के लिए परीक्षा आयोजन हुआ। यह परीक्षा 864 अभ्यर्थियों ने दी। दूसरी पाली में एमए समाजशास्त्र में प्रवेश के लिए 304 अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे।

विषम सेमेस्टर के लिए 20 तक जमा करें फीस

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर के लिए फीस पेमेंट और पंजीकरण 20 जुलाई तक होगा। सत्र 2024-25 में विश्वविद्यालय एवं संबद्ध सभी महाविद्यालयों में संचालित नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों और परास्नातक तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश एवं पंजीकरण फार्म पूरित कर जमा करने की तिथि 20 जुलाई निर्धारित की गई है। संबंध

गोवि में कुलपु पोस्ट पीटर होती टिमिक

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सिंह पुलपाल और पंजीकरण 20 जुलाई तक। वर्ष 2024-25 में पंजीकृत एवं संबद्ध सभी महाविद्यालयों में संचालित नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों (स्नातक, परास्नातक, पीएचडी, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स) तृतीय, पंचम, सप्तम, एवं नवम सेमेस्टर का प्रवेश एवं पंजीकरण फार्म पूरित कर जमा करने की तिथि 20 जुलाई निर्धारित की गई है।

Amar Ujala
Page - 04, 07

गांवों में साइकोलॉजिकल काउंसिलिंग करेगी डीडीयू की टीम

मोबाइल साइकोलॉजिकल हेल्थ क्लीनिक से होगी ग्रामीणों की काउंसिलिंग

संवाद न्यूज एजेंसी

साइकोलॉजी विभाग में करेगा मोबाइल साइकोलॉजिकल हेल्थ सेंटर

कार्मिक प्रबंधन और औद्योगिक संबंध कोर्स

गोरखपुर। शहर के लोग तनाव और डिप्रेशन की समस्या को समझकर मनोचिकित्सक या मनोवैज्ञानिकरूप के पास पहुंच जाते हैं लेकिन गांवों में अब भी मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता नहीं दिख पाती।

लोगों को पता ही नहीं होता कि वे तनाव या डिप्रेशन के शिकार हैं। लोगों की जागरूकता करने और उनकी साइकोलॉजिकल काउंसिलिंग के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की टीम गोरखपुर और आसपास के गांवों में जाएगी। इसके लिए विभाग की ओर से जल्द ही मोबाइल साइकोलॉजिकल हेल्थ क्लीनिक की सुविधा शुरू की जाएगी।

विभागाध्यक्ष प्रो. पल्लवी सक्सेना ने बताया कि इसे लेकर के विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. पूनम टंडन से भी चर्चा की जा चुकी है। उन्होंने इसकी हरी झंडी दे दी है। इसके बाद जल्द ही इसकी शुरुआत होगी।

मनोविज्ञान विभाग की ओर से मोबाइल साइकोलॉजिकल हेल्थ क्लीनिक शुरू करने की योजना बनाई गई है। आज के दौर में हर किसी को मानसिक तौर पर स्वस्थ रहने की जरूरत है। विभाग की ओर से विश्वविद्यालय के छात्रावासों में भी काउंसलिंग आयोजित कर विद्यार्थियों को जागरूक किया जाएगा।

– प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

हॉस्टल में होगी काउंसलिंग

विभागाध्यक्ष प्रो. पल्लवी सक्सेना ने बताया कि हॉस्टल के विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमोंकी का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही एक प्रोफेशनल विद्यार्थियों के लिए हेल्पलाइन प्रोग्राम की शुरुआत किया जाएगा। इस कदम से पुलिस विद्यार्थियों को तुरंत मेडिकल सेवा और परामर्श प्रदान करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

लंबित भुगतान जारी करने की मांग

गोरखपुर। स्ववित्तपोषित महाविद्यालय प्राचार्य परिषद के अध्यक्ष डॉ. कृष्ण मुरारी पाल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पूनम टंडन से मिला। इसमें वर्षों से लंबित परीक्षा ड्यूटी और मूल्यांकन का भुगतान जल्द करने की मांग की गई। परीक्षा की व्यावहारिक दिक्कतें भी बताई गईं।

कुलपति को दिए ज्ञापन में परिषद ने मांग की कि परीक्षा में अधिक मानदर होने से परीक्षा बहुत बोझिल हो गई है। इस बोझ को कम करना जरूरी है। प्रायोगिक परीक्षा के लिए सिद्धार्थ विवि के पैटर्न पर विश्वविद्यालय की पोर्टल पर परीक्षकों के नाम को अपलोड किए जाएं। प्राचार्य अपनी सुविधानुसार परीक्षक से प्रायोगिक और मौखिकी परीक्षा संपन्न कराएं। पीजी की परीक्षा में प्रोजेक्ट कार्य को समाप्त किया जाए।

ज्ञापन देने वालों में डॉ. राजेश द्विवेदी, डॉ. संजय पांडेय, डॉ. सर्वेश दुबे, डॉ. केपी चौरसिया, डॉ. प्रमोद तिवारी, डॉ. महेश आदि शामिल रहे।

Hindustan
Page - 02, 07

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेगा मोबाइल सेंटर हीलिंग क्लीनिक

डीडीयू

- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में खुलेगा देश का पहला स्वतंत्र मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग सेंटर व एक वैन भी करेगा

फोटर, बैनर तनाव तो होगी सजता कार्रवाई

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में परिसर में सिंहली 27 जून से आयोजित हो रही परीक्षाओं के क्रम में गुरुवार को भी तीन पाठ्यक्रम के प्रवेश परीक्षा का आयोजन हुआ।

दो पाली में आयोजित परीक्षाओं में कुल 1169 अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। पहली पाली में एमएससी जंतु विज्ञान और एमएसी एप्लाकल्चर के लिए परीक्षा आयोजन हुआ। यह परीक्षा 864 अभ्यर्थियों ने दी। दूसरी पाली में एमए समाजशास्त्र में प्रवेश के लिए 304 अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे।

राजनीति से तय होती है देश की गति

शोक

प्रख्यात इतिहासविद् प्रो. शिवाजी सिंह का निधन

- गोरखपुर में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. शिवाजी सिंह का मंगलवार को निधन हो गया। वे 84 वर्ष के थे। उनके निधन पर विश्वविद्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों के शिक्षकों ने उनके साथ बिताए पलों को याद किया।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर के लिए फीस पेमेंट और पंजीकरण 20 जुलाई तक होगा

सत्र 2024-25 में विश्वविद्यालय एवं संबद्ध सभी महाविद्यालयों में संचालित नियमित एवं स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों और परास्नातक तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश एवं पंजीकरण फार्म पूरित कर जमा करने की तिथि 20 जुलाई निर्धारित की गई है।

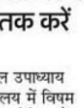

Inext Page - 04

Nispaksh Pratidin

Amar Ujala Select
Page - 04

अब कॉलेज में अचानक नहीं जाएगी जान

10 मिनट में सडेन कार्डिएक अरेस्ट से इंसान से बचाई जा सकती है किसी की भी जान

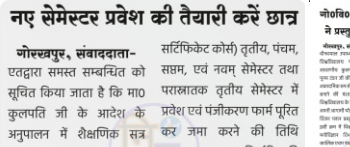

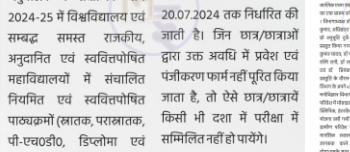

देश की गति राजनीति से तय होती है: कुलपति

निरपक्ष प्रतिदिन | गोरखपुर

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय वैलपु पंडित कोर्स का समापन सत्र कुलपति प्रो पूनम टंडन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।समापन सत्र में मुख्य अतिथि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के राजनीतिक विज्ञान विभाग के प्रो रिपुसूदन सिंह रहे तथा विशिष्ट अतिथि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के प्रो शांतेश कुमार सिंह रहे।

अपने आध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कहा कि आम चुनाव 2024 के नतीजों के बाद राजनीतिक चर्चाओं का बाजार गर्म है। राजनीति विज्ञान सबसे महत्वपूर्ण विषय है। देश की गति राजनीति से तय होती है। राजनीति ही सृजन और विध्वंस है। भारत में राजनीति के क्षेत्र में शोध का समाज के समस्त तमाम समस्याएं और चुनौतियां हैं। लेकिन इसका हल समाधोधपरक है, समाधान से ही हो सकता है नियं से नहीं।आवश्यकता है राजनीति को हम भारतीय दृष्टिकोण से समझे ना कि पश्चिमी दृष्टिकोण से। भारतीय दृष्टिकोण ही पश्चिमीकरारी राजनीति को आगे बढ़ा सकता है और भारत के समक्ष चुनौतियों का समाधान प्रदान कर सकता है।

बड़े परिवर्तनशील दौर से गुजर रही है भारतीय राजनीति: प्रो. शांतेश

विशिष्ट अतिथि प्रो शांतेश कुमार सिंह ने कहा की इतिहास में देखें तो हमने उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद के साथ-साथ हम संवैधानिक और राजनीतिक मूल्यों को आगे लेकर बढ़े। जैसे हमने उपनिवेशवाद विरोधी व्यवस्था तथा नौकरशाही को जारी रखा। इसी कारण भारतीय राजनीति के समक्ष वही समस्याएं जैसे भ्रष्टाचार, गरीबी वैसे ही खड़ी हैं जैसे 75 साल पहले 1947 में थी। स्वागत उद्बोधन विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार सिंह ने दिया। कार्यक्रम संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन सह संयोजक डॉ महेंद्र कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालयों के शिक्षकगण तथा विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

विकसित भारत चमत्कार, एक मसीहा से नहीं बल्कि सभी के सहयोग से ही बन सकता है: प्रो. रिपुसूदन सिंह

लंबित भुगतान जारी करने की मांग

गोरखपुर। स्ववित्तपोषित महाविद्यालय प्राचार्य परिषद के अध्यक्ष डॉ. कृष्ण मुरारी पाल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पूनम टंडन से मिला। इसमें वर्षों से लंबित परीक्षा ड्यूटी और मूल्यांकन का भुगतान जल्द करने की मांग की गई। परीक्षा की व्यावहारिक दिक्कतें भी बताई गईं।

कुलपति को दिए ज्ञापन में परिषद ने मांग की कि परीक्षा में अधिक मानदर होने से परीक्षा बहुत बोझिल हो गई है। इस बोझ को कम करना जरूरी है। प्रायोगिक परीक्षा के लिए सिद्धार्थ विवि के पैटर्न पर विश्वविद्यालय की पोर्टल पर परीक्षकों के नाम को अपलोड किए जाएं। प्राचार्य अपनी सुविधानुसार परीक्षक से प्रायोगिक और मौखिकी परीक्षा संपन्न कराएं। पीजी की परीक्षा में प्रोजेक्ट कार्य को समाप्त किया जाए।

ज्ञापन देने वालों में डॉ. राजेश द्विवेदी, डॉ. संजय पांडेय, डॉ. सर्वेश दुबे, डॉ. केपी चौरसिया, डॉ. प्रमोद तिवारी, डॉ. महेश आदि शामिल रहे।

प्रख्यात इतिहासविद् प्रो. शिवाजी सिंह के निधन पर योगी ने जताया शोक

गोरखपुर। प्रख्यात इतिहासविद् प्रो. शिवाजी सिंह के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत प्रो. सिंह को नमन करते हुए उनके परिवार को नई दिल्ली सेवे खबर बताते हुए कहा है कि उनका निधन राष्ट्र एवं समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। सीएम योगी ने प्रो. शिवाजी सिंह की पुत्री, खोराबार क्षेत्र के दिव्य नगर गोल्ड निवासी प्रो. शशिप्रभा सिंह को फोन पर शोक संवेदना संदेश में कहा कि प्रो. शिवाजी सिंह जी ने अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में भारतीय इतिहास लेखन को भारत केंद्रीय दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति के मर्मज्ञ प्रो. शिवाजी सिंह ने जहाँ हिंदू विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग में चार दशक तक अध्यापन एवं शोध निर्देशन के साथ अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्ति होने के पश्चात भी अनवरत बौद्धिक सक्रियता एवं भारतीय पुरातत्व पर अध्ययनरत रहे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रो. शिवाजी सिंह श्री गोरखनाथ मंदिर के अनन्य भक्त थे।

Nirbhik India

नए सेमेस्टर प्रवेश की तैयारी करें छात्र

गोरखपुर, संवाददाता- एतद्वारा समस्त सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि माठ कुलपति जी के आदेश के अनुपालन में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध समस्त राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में संचालित स्नातक(प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष), परास्नातक, पी-एच0डी0, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स) तृतीय, पंचम, सप्तम, एवं नवम् सेमेस्टर तथा परास्नातक तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश एवं पंजीकरण फार्म पूरित कर जमा करने की तिथि 20.07.2024 तक निर्धारित की जाती है। जिन छात्र/छात्राओं द्वारा उक्त अवधि में प्रवेश एवं पंजीकरण फार्म नहीं पूरित किया जाता है, तो ऐसे छात्र/छात्रायें किसी भी दशा में परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो पायेंगे।

नो0वि0 के मनोविज्ञान विभाग ने प्रस्तुत किया विजन प्लान

गोरखपुर, संवाददाता- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के मनोविज्ञान विभाग द्वारा विभाग के पूर्व छात्रों के साथ एक दिवसीय मीट का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व छात्रों ने विभाग के विकास के लिए अपने सुझाव दिए। इसके साथ ही विभाग के पूर्व छात्रों ने विभाग के विकास के लिए अपने सुझाव दिए। इसके साथ ही विभाग के पूर्व छात्रों ने विभाग के विकास के लिए अपने सुझाव दिए। इसके साथ ही विभाग के पूर्व छात्रों ने विभाग के विकास के लिए अपने सुझाव दिए।

Gorakhpur Super Fast Times

सुपर फास्ट टाइम्स (कुशीनगर/गोरखपुर/बाराबंकी)

गोरखपुर विश्वविद्यालय में बनेगा गुरू गोरक्षनाथ शोधपीठ, नाथ पंथ का संग्रहालय भी होगा शामिल

Swatantra Chetna Page - 04

देश की गति राजनीति से तय होती है: कुलपति

रवाबे रोशन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय वैलपु पंडित कोर्स का आज समापन सत्र कुलपति प्रो पूनम टंडन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के राजनीतिक विज्ञान विभाग के प्रो रिपुसूदन सिंह रहे तथा विशिष्ट अतिथि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के प्रो शांतेश कुमार सिंह रहे।

अपने आध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कहा कि आम चुनाव 2024 के नतीजों के बाद राजनीतिक चर्चाओं का बाजार गर्म है। राजनीति विज्ञान सबसे महत्वपूर्ण विषय है। देश की गति राजनीति से तय होती है। राजनीति ही सृजन और विध्वंस है। भारत में राजनीति के क्षेत्र में शोध का समाज के समस्त तमाम समस्याएं और चुनौतियां हैं। लेकिन इसका हल समाधोधपरक है, समाधान से ही हो सकता है नियं से नहीं।आवश्यकता है राजनीति को हम भारतीय दृष्टिकोण से समझे ना कि पश्चिमी दृष्टिकोण से। भारतीय दृष्टिकोण ही पश्चिमीकरारी राजनीति को आगे बढ़ा सकता है और भारत के समक्ष चुनौतियों का समाधान प्रदान कर सकता है।

बड़े परिवर्तनशील दौर से गुजर रही है भारतीय राजनीति: प्रो. शांतेश

विशिष्ट अतिथि प्रो शांतेश कुमार सिंह ने कहा की इतिहास में देखें तो हमने उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद के साथ-साथ हम संवैधानिक और राजनीतिक मूल्यों को आगे लेकर बढ़े। जैसे हमने उपनिवेशवाद विरोधी व्यवस्था तथा नौकरशाही को जारी रखा। इसी कारण भारतीय राजनीति के समक्ष वही समस्याएं जैसे भ्रष्टाचार, गरीबी वैसे ही खड़ी हैं जैसे 75 साल पहले 1947 में थी। स्वागत उद्बोधन विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार सिंह ने दिया। कार्यक्रम संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन सह संयोजक डॉ महेंद्र कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालयों के शिक्षकगण तथा विद्यार्थियों ने सहभागिता की।